रा.वा.नं. 25/2021 इन्दु बनाम लाखाराम वगै.

	हुक्म या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज	नम्बर व तारीख अहकाम जो इस हुक्म की तालीम में जारी हुए

13/1/23

पत्रावली पेश हुई।

वादिनी अधिवक्ता ने प्रार्थना पत्र वास्ते पत्रावली पेशी पर लेने का प्रस्तुत किया। प्रार्थना पत्र पर प्रतिवादीगण के अधिवक्ता ने पत्रावली को पेशी पर लेने पर कोई एतराज नही है। काउण्टर क्लेम को विड्रो करते हुए, अगर वादिनी वाद विड्रो करती है तो प्रतिवादीगण एवं उनके वकील को कोई आपत्ति नही है। पत्रावली आज पेशी पर ली गई।

वादिनी स्वयं ने उपस्थित होकर एक प्रार्थना पत्र वाद जरिये राजीनामा विड्रो करने हेतु प्रस्तुत किया। उक्त वाद में पक्षकारान के मध्य राजीनामा होना स्वीकार किया। वादिनी की पहचान वकील श्री ओमप्रकाश विश्नोई तथा प्रतिवादी संख्या 01 व 02 स्वयं उपस्थित। प्रतिवादीगण की पहचान श्री देवाराम चौधरी ने दी। जो शामिल पत्रावली हो।

वादिनी का निवेदन है कि उक्त वाद के सम्बन्ध में हमने न्यायालय के बाहर मिल बैठ कर परिवार एवं सगे सम्बन्धियों की सलाह पर समझाईश कर सुलह कर ली है। उक्त विवादित खेत खसरों सम्बन्ध में किया गया वाद लोक अदालत की भावना से प्रेरित होकर विड्रो करना चाहती हूँ। अब मैं इस वाद को आगे चलाना नही चाहती हूँ। उक्त वाद को जरिये राजीनामा विड्रो करना चाहती हूँ। उक्त विवादित खेत खसरों सम्बन्ध आगे किसी भी न्यायालय में कोई वाद/अपील दायर नही करूगीं।

अतः वादिनी का वाद जरिये प्रस्तुत राजीनामा के आधार पर इसी स्तर पर विड्रों किया जाता है। पत्रावली फैसल सुमार होकर दाखिल दफ्तर हो।

काउन्टर क्लेम को विड्रो करने व वाद विड्रो करने पर कोई आपत्ति नही है

लाखाराम

ओमाराम

Signature Not Verified
Digitally signed by Lakha Ram
Date: 2023.02.20 14:26:15 IST
Reason: SelfAttested